पंतनगर किसान मेला आज से

पंतनगर। 8 अक्टूबर, 2009। विष्वविद्यालय में कल (आज) से अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि औद्योगिक प्रदर्षनी का शुभारम्भ हो रहा है। मुख्य अतिथि द्वारा प्रातः 11 बजे गाँधी पार्क में फीता काटकर मेले का उद्घाटन किया जायेगा। तत्पष्चात् मेले में लगी हुई उद्यान प्रदर्षनी का उद्घाटन व अवलोकन होगा। इसके बाद वे मेला प्रांगण में लगे विष्वविद्यालय के महाविद्यालयों व बाह्य केन्द्रों तथा विभिन्न सरकारी व निजी संस्थानों द्वारा लगाये गये उत्पादों के स्टालों का भ्रमण करेंगे। भ्रमण के बाद गाँधी हाल में आयोजित उद्घाटन समारोह में किसानों को सम्बोधित किया जायेगा।

किसानों के लिए मेले का मुख्य आकर्षण रबी की विभिन्न फसलों के उन्नतषील एवं मिनीकिट बीज तथा सब्जियों की उन्नतषील प्रजातियों के बीजों के साथ–साथ फल–फूलों के पौधें होंगे। रबी की प्रमुख फसलों– गेहूँ, चना, मटर, जौ, मसूर, तोरिया, सरसों एवं सब्जियों– की अधिक उपज देने वाली प्रजातियों के प्रमाणित व आधारीय बीज विक्रय हेतु उपलब्ध होंगे। ये बीज व पौधे किसान मेला में लगे प्रजनक बीज उत्पादन केन्द्र, विष्वविद्यालय फार्म, फसल अनुसंधान केन्द्र, सब्जी अनुसंधान केन्द्र, उद्यान अनुसंधान केन्द्र, कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र, कृषिवानिकी अनुसंधान केन्द्र, औषधीय पौध अनुसंधान एवं विकास केन्द्र तथा आदर्ष पुष्प उत्पादन केन्द्र के स्टालों पर उपलब्ध होंगे। प्रकाषन निदेषालय के स्टाल पर कृषि सम्बन्धी किसानोपयोगी साहित्य मेले के अवसर पर 40 से 60 प्रतिषत तक की विषेष छूट पर उपलब्ध होगा।

इस मेले में सम्मिलित होने के लिए अब तक 125 बड़े व लगभग 300 छोटे स्टालों ने राशि विश्वविद्यालय में जमा करा दी है। इन स्टालों में कृषि कार्यों में उपयोगी मषीन, यंत्र, औजार, रासायनिक व जैविक खाद, कृषि रसायन, पषु आहार, बीज, नर्सरी, प्रसंस्कृत कृषिउत्पाद इत्यादि के स्टाल सम्मिलित हैं जिनमें किसानों को जानकारी देने के साथ–साथ बिक्री की व्यवस्था भी होगी। साथ ही घरेलू उपयोग की वस्तुओं, खाद्यी ग्रामोद्योग के उत्पादों व बैंकों के स्टाल भी मेले में होंगे। किसानों व उनके परिवार के सदस्यों की आवष्यकताओं, खान–पान व मनोरंजन के लिए भी मेले में व्यवस्था होगी। किसानों को पंतनगर एवं हल्दी रोड रेलवे स्टेशनों से मेला स्थल तक लाने तथा वापस ले जाने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा समुचित परिवहन व्यवस्था की गई है तथा रात्रि विश्राम की व्यवस्था विभिन्न अतिथि गृहों, फार्मर्स हॉस्टल तथा परिसर स्थित विभिन्न स्कूलों व छात्रावासों में सुनिश्चित की गई है।